भारत – पुर्तगाल संबंध

भारत का पुर्तगाल के साथ संबंध घनिष्ठ, मैत्रीपूर्ण एवं वैमनस्य रहित बना हुआ है। राजनयिक संबंधों की स्थापना 1949 में हुई। 1 सितंबर 1955 को इनको विभाजित किया गया। 31 दिसंबर 1974 को नई दिल्ली में एक संधि पर हस्ताक्षर होने से दोनों देशों के दूतावास फिर से स्थापित किए गए।

दोनों देशों के बीच उत्कृष्ट राजनीतिक संबंध है। पुर्तगाल ने बहुमंची मंचों पर भारत का लगातार समर्थन किया है जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन शामिल है। इसने 2011 - 2012 के लिए गैर स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। अक्टूबर 2005 में पुर्तगाल ने अबू सलेम को भारत को लौटाया। पुर्तगाल यूरोपीय संघ का पहला सदस्य देश है जो भारत में आरोपों का सामना करने वाले किसी व्यक्ति को लौटाने के लिए सहमत हुआ है। 9 अक्टूबर, 2015 को पुर्तगाल पहला यूरोपीय एवं पश्चिमी तथा पूर्वी एशिया शिखर बैठक से बाहर चौथा देश बना जिसने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

राजनीतिक संबंध

सर्वोच्च स्तर पर आदान प्रदान के माध्यम से राजनीतिक संबंध सुदृढ़ हुआ है। राष्ट्रपति एनीबल कवाको सिल्वा ने जनवरी 2007 में भारत का दौरा किया। यूरोपीय संघ की पुर्तगाली अध्यक्षता के दौरान नई दिल्ली में 8वीं भारत - ई यू शिखर बैठक के लिए प्रधानमंत्री जोस सोक्रेट्स ने दिसंबर 2007 में भारत का दौरा किया। 1984 में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के अंतिम संस्कार में प्रधानमंत्री के रूप में भाग लेने तथा 1992 में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रपति के रूप में डॉ. मारियो सोरेस ने भारत का दो बार दौरा किया। भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जून 2000 में लिस्बन में पहली भारत - पुर्तगाल शिखर बैठक के लिए पुर्तगाल का दौरा किया। राष्ट्रपति के आर नारायणन ने 1998 में तथा राष्ट्रपति आर वेंकट रमन ने 1990 में पुर्तगाल का दौरा किया।

पुर्तगाल ने बहुदलीय **"भारत - पुर्तगाल संसदीय मैत्री समूह"** का गठन किया है। इसी तरह का एक समूह भारत में भी है जिसके सदस्य सभी राजनीतिक दलों के नेता हैं। संसद के स्पीकर डा. अंटोनियो डी अलमिडा संटोस के नेतृत्व में 9 संसद सदस्यों की पहली यात्रा 1999 में हुई, जिसके बाद वर्ष 2003 में स्पीकर डा. जोआव बोस्को मोटा अमराल के नेतृत्व में चार सदस्यीय एक और शिष्टमंडल ने दौरा किया। भारत से लोकसभा अध्यक्ष श्री मनोहर जोशी के नेतृत्व में 12 संसद सदस्यों के एक शिष्टमंडल ने 25 से 28 मई 2003 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया। संसदीय कार्य तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रियरंजन दास मुंशी के नेतृत्व में एक 16 सदस्यीय संसदीय सद्भावना शिष्टमंडल ने 6 - 7 नवंबर 2007 को पुर्तगाल का दौरा किया।

पंजाब विधान सभा के स्पीकर डा. चरणजीत सिंह अटवाल ने 10 से 14 मई 2015 के दौरान लिस्बन का दौरा किया। उन्होंने पुर्तगाली संसद के डिप्टी स्पीकर डा. गिलहर्मी सिल्वा और विदेश मंत्रालय में विदेश नीति महानिदेशक डा. फ्रांस्सिको ड्यूरेट लोपेस से मुलाकात की। वह भारत - पुर्तगाल संसदीय मैत्री समूह द्वारा उनके सम्मान में आयोजित लंच तथा भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित डिनर में शामिल हुए।

भारत - पुर्तगाल संयुक्त आयोग की तीन बैठकें हो चुकी हैं, तीसरी बैठक दिसंबर 2006 में नई दिल्ली में हुई थी। विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन 26 जुलाई, 2005 को लिस्बन में हुआ था।

वाणिज्यिक संबंध :

व्यापार में सुगमता प्रदान करने एवं वृद्धि करने के लिए वर्ष 1997 में व्यापार, आर्थिक, औद्योगिक एवं तकनीकी सहयोग पर एक द्विपक्षीय करार पर हस्ताक्षर किया गया। आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग

के लिए करार पर हस्ताक्षर अप्रैल 2000 में किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज तथा पुतर्गीज फारेन ट्रेड एण्ड इनवेस्टमेंट एजेंसी (ए आई सी ई पी) के बीच सहयोग करार पर हस्ताक्षर 1992 में हुआ। भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) तथा पुर्तगाली उद्योग संघ (ए आई पी) के बीच एक सहयोग करार पर हस्ताक्षर 1995 में किया गया तथा दोहरा कराधान परिहार करार पर हस्ताक्षर 1998 में किया गया। मार्च 2013 में व्यापार एवं निवेश को सुदृढ़ करने के लिए सामाजिक सुरक्षा पर एक करार पर हस्ताक्षर किया गया।

व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है परंतु यह क्षमता से कम है। तथापि 2008 में वैश्विक आर्थिक मंदी तथा विकसित देशों में निरंतर विद्यमान संकट को देखते हुए पुर्तगाल ने व्यवसाय के लिए भारत सहित विकासशील देशों की ओर अधिक मात्रा में देखना शुरू कर दिया है। कारोबार रहनुमाओं की नई एवं युवा पीढ़ी को देखते हुए व्यापारिक संपर्क के लिए अधिक प्रयास किए जा रहे हैं जिसमें अवसंरचना, आई टी, नवीकरणीय ऊर्जा एवं भेषज पदार्थ जैसे नए क्षेत्र शामिल हैं। व्यापार भारत के पक्ष में रहा है, परंतु वर्ष 2011 - 12 से पुर्तगाली निर्यात में उत्थान उल्लेखनीय है। वर्ष 2012 - 13 में व्यापार में 9.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा वर्ष 2013 - 14 में इसमें 6.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2014-15 में व्यापार में गिरावट के बावजूद भारत के निर्यात में वृद्धि हुई।

नवंबर 2014 में प्लाटिंडिया के एक शिष्टमंडल ने पुर्तगाल का दौरा किया तथा प्लास्टिक उद्योग के अपने समकक्षों के साथ बैठक की। व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए 30 मार्च 2015 को रेडिशन ब्लू होटल में लुमिनार और अल्वालेड की स्थानीय परिषदों के साथ मिलकर दूतावास द्वारा "भारत - पुर्तगाल कारोबारी संबंध" पर सम्मेलन का आयोजन किया। 23 नवंबर, 2015 को ए ई एस ई व्यवसाय स्कूल के साथ मिलकर **"मेक इन इंडिया"** पर एक अन्य व्यवसाय सम्मेलन आयोजित किया गया।

3 जून, 2015 को पुर्तगाल के विसाबेरिया ग्रुप तथा विंध्य टेलीलिंक्स लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम करार पर निर्णय लिया गया। बिड़ला विसाबेरिया प्राइवेट लिमिटेड नामक संयुक्त उद्यम कंपनी भारत में तथा तीसरे देशों में भी प्रचालनों की योजना बना रही है। 27 अक्टूबर, 2015 को विश्व व्यापार केंद्र मुंबई तथा पुर्तगालीज इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एक एम ओ यू पर निर्णय लिया।

भारत - पुर्तगाल द्विपक्षीय व्यापार

(भारतीय निर्यात एवं आयात के आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष (अप्रैल - मार्च)	**2010-2011**	**2011-2012**	**2012-2013**	**2013-2014**	**2014-2015**
निर्यात	526.84	525.27	528.46	627.00	636.43
आयात	85.37	303.62	378.21	339.98	145.05
कुल व्यापार	612.21	828.89	906.67	966.98	781.48
प्रतिशत वृद्धि		35.39	9.38	6.65	-19.18

स्रोत : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत

पुर्तगाल में भारतीय निवेश

गोल्डेन वीजा स्कीम के तहत पहला प्रमुख विदेशी निवेशक एक भारतीय था, जिसने अल्गार्वे में अतिथि सत्कार उद्योग में निवेश किया।

भारत में पुर्तगाली निवेश

अप्रैल 2000 से सितंबर 2013 के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के रूप में 27 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश के साथ पुर्तगाल 58वें स्थान पर है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

3 दिसंबर 1998 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए हस्ताक्षरित करार के तहत सहयोग बढ़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2015 को पुर्तगाली योग परिसंघ के साथ साझेदारी में लिस्बन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पहले समारोह का आयोजन किया गया। इन समारोहों के अंग के रूप में 20 जून 2015 को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 17 देशों के पर्तिनिधियों ने भाग लिया।

संस्कृति

1980 में एक सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किया गया। अनेक सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों (सी ई पी) को लागू किया गया है। जून 2014 में 5 सांस्कृतिक मंडलियों ने पुर्तगाल का दौरा किया है जिसमें से 4 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा प्रायोजित किया गया था। भारत एवं पुर्तगाल के बीच अभिलेख के क्षेत्र में सहयोग के एक प्रोटोकॉल पर नई दिल्ली में 11 मार्च 2014 को हस्ताक्षर किया गया।

लूसोफोनिया गेम्स

18 से 29 जनवरी 2014 के दौरान गोवा में आयोजित तीसरे लूसोफोनिया गेम्स में पुर्तगाल ने भाग लिया।

भारतीय समुदाय

ऐसा अनुमान है कि पुर्तगाल में भारतीय समुदाय के 65,000 व्यक्ति रहते हैं। पुर्तगाल सरकार के आकड़ों के अनुसार 2013 में पुर्तगाल में 6022 भारतीय नागरिक थे। यूके एवं नीदरलैंड के बाद यूरोप में भारतीय मूल के व्यक्तियों की यह तीसरी सबसे बड़ी आबादी है। इस समुदाय का प्रवास दो धाराओं में हुआ, पहला भारत से सीधे प्रस्थान - छोटे छोटे समूहों में गोवा, दमन एवं दीव से 1961 से पूर्व और इसके बाद 1961 के पश्चात एक घोषित प्रवाह। दूसरी धारा के तहत अधिकांशत: गुजराती शामिल हैं, पुर्तगाल के पूर्व अफ्रीकी उपनिवेशों, विशेष रूप से मोजांबिक एवं अंगोला से, जिसकी शुरुआत 1975 में वहां राजनैतिक स्वतंत्रता आरंभ होने पर हुई।

पुर्तगाल की ओर से हाल की उच्च स्तरीय यात्राएं

- विदेश राज्य मंत्री (एम ओ एस) डा. जोआवो क्राविन्हो ने नवंबर 2006 में भारत का दौरा किया।
- पुर्तगाल के विदेश मंत्री श्री लुइस अमाडो ने 8 से 11 जुलाई 2008 के दौरान भारत का दौरा किया।
- ऊर्जा एवं नवाचार राज्य मंत्री प्रो. कार्लोस जोरिन्हो ने 27 से 29 अक्टूबर 2010 के दौरान दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन (डी आई आर ई सी) में भाग लिया।
- पर्यावरण राज्य मंत्री श्री हंबर्टो रोसा ने 3 से 5 फरवरी 2011 के दौरान 11वीं दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लिया।
- पर्यटन राज्य मंत्री डा. सेसिलिया मिरेलेस ने 19 से 22 नवंबर 2012 के दौरान भारत का दौरा किया।
- उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डा. पाउलो पोर्टास ने 5 से 8 मार्च, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।

- संस्कृति राज्य मंत्री डा. जार्ज बैरेटो जेवियर ने मार्च 2013 में भारत का दौरा किया।
- विदेश मंत्री डा. रुई मचेट ने विदेश मंत्रियों की 11वीं एशिया - यूरोप बैठक में भाग लेने के लिए 10 से 12 नवंबर 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।
- पर्यावरण, स्थालाकृति आयोजन एवं ऊर्जा मंत्री डा. जार्ज मोरेइरा दा सिल्वा ने 14वीं दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 5 से 8 फरवरी 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।
- ऊर्जा राज्य मंत्री श्री अर्तुर त्रिंडाडे ने 14वीं दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 5 से 8 फरवरी 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।

भारत की ओर से :

- विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा ने 10 से 12 जून 2007 के दौरान लिस्बन का दौरा किया।
- विदेश राज्य मंत्री के रूप में डा. शशि थरूर ने 11 - 12 जुलाई 2009 को लिस्बन में लोकतंत्र समुदाय (सी ओ डी) के पांचवें मंत्री स्तरीय सम्मेलन में भाग लिया।
- गोवा के मुख्य मंत्री श्री दिगंबर कामत ने 4 से 6 अक्टूबर 2010 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।
- प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलार रवि ने 9 से 11 अक्टूबर 2011 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।
- गोवा के उप मुख्य मंत्री श्री फ्रांसिस डिसूजा ने भारत - पुर्तगाल सांस्कृतिक सप्ताह के सिलसिले में अक्टूबर 2012 में पुर्तगाल का दौरा किया।

- वरिष्ठ निर्देशन स्टाफ (नेवी) से रियर एडमिरल रवीन्द्र गायकवाड़ के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा कालेज के एक शिष्टमंडल ने 19 से 24 मई 2013 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।
- श्री सुनील कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव (कार्मिक), विदेश मंत्रालय में 20 से 24 नवंबर 2014 तक पुर्तगाल का दौरा किया।
- अंतर्राष्ट्रीय रेल संघ (यू आई सी) की विश्व सुरक्षा कांग्रेस में भाग लेने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक श्री कृष्ण चौधरी ने 26 से 28 नवंबर 2014 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।

- श्री शेखर सिन्हा, विशेष सचिव (सदस्य, डाक सेवा बोर्ड) और श्री कुशल वशिष्ट, निदेशक (डाक टिकट संग्रह) ने 30 मार्च से 2 अप्रैल 2015 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।
- पंजाब विधान सभा के स्पीकर डा. चरणजीत सिंह अटवाल ने अध्ययन टूर के लिए 10 से 14 मई 2015 के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।
- श्री त्रिपुरारी शरण, प्रधान सचिव (उद्योग) बिहार सरकार ने भू - स्थलाकृति पर विश्व मंच में भाग लेने के लिए 25 से 29 मई के दौरान पुर्तगाल का दौरा किया।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, लिस्बन की वेबसाइट :
http://www.indembassy-lisbon.org

*****

जनवरी, 2016